लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 403

02 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र क्षेत्र में रोजगार सृजन

403. श्री बैजयंत पांडा:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान वस्त्र क्षेत्र में सृजित विशिष्ट रोजगार का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा वस्त्र उद्योग, विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए क्या पहल की गई है; और

(ग) इस क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने और कौशल उन्नयन में सहायता करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): वस्त्र उद्योग देश में रोजगार सृजन के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से 45 मिलियन से अधिक लोग नियोजित हैं। भारत सरकार ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों सहित वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं/पहलों को क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में एक आधुनिक, एकीकृत बड़े पैमाने का, विश्व स्तरीय औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने के लिए निवेश को आकर्षित करने हेतु पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना जो रोजगार को बढ़ावा देने में सहायता प्रदान करेगी; बड़े पैमाने के विनिर्माण को बढ़ावा देने तथा प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए मैन मेड फाईबर तथा अपैरल और तकनीकी वस्त्रों पर केंद्रित उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास, कौशल प्रशिक्षण और निर्यात संवर्धन पर केंद्रित राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुख, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने पर लक्षित वस्त्र क्षेत्र हेतु क्षमता निर्माण योजना – समर्थ; बेंचमार्क वाली वस्त्र मशीनरी में पात्र निवेश के लिए पूंजीगत निवेश सब्सिडी के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन और आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित करने हेतु संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (एटीयूएफएस); रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास हेतु सिल्क समग्र-2 और राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम शामिल हैं।

***